



## Rajasthan Junior Legal Officer – 2013-14 (Paper-II CrPC & CPC)

1 Civil Procedure Code 1908 extends -/ सिविल प्रक्रिया संहिता 1908 विस्तारित है

- (1) to the whole of India except the state of Jammu and Kashmir/ जम्मू कश्मीर राज्य को छोड़कर सम्पूर्ण भारत में।
- (2) to the whole of India except Nagaland and Manipur state./ नागालैण्ड एवं मणिपुर राज्य को छोड़कर सम्पूर्ण भारत में।
- (3) to the whole of India except Nagaland and the tribal areas./ नागालैण्ड राज्य एवं जनजाति क्षेत्रों को छोड़कर सम्पूर्ण भारत में।
- (4) to the whole of India except Jammu and Kashmir, Nagaland and tribal areas./ जम्मू कश्मीर, नागालैण्ड एवं जनजाति क्षेत्रों को छोड़कर सम्पूर्ण भारत में।

Ans [4]

2 A decree may be/ एक डिक्री हो सकती है

- (1) Preliminary/ प्रारम्भिक
- (2) Final/ अंतिम
- (3) Partly preliminary and partly final/ अंशतः प्रारम्भिक, अंशतः अंतिम
- (4) All the above/ उपरोक्त सभी

Ans [4]

3 'Pleader' defined in C.P.C./ 'प्लीडर' परिभाषित है ( सी. पी. सी. में)

- (1) Section 2 ( 15 )/ धारा 2 (15)
- (2) Section 2 (7)/ धारा 2 (7)
- (3) Section 2 (17)/ धारा 2 ( 17 )
- (4) None of the above/ उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans [1]

4. 'Judgement' means/'निर्णय' का अर्थ है

- (1) Decree given by court./ न्यायालय के द्वारा दी गयी डिक्री
- (2) Order given by court./ न्यायालय के द्वारा दिया गया आदेश
- (3) Statement given by a judge on the grounds of decree. / डिक्री के आधारों पर न्यायालय द्वारा दिया गया संकथन
- (4) Statement given by a judge on the grounds of decree and order./ डिक्री एवं उपादेश के आधारों पर न्यायालय के द्वारा दिया गया संकथन

Ans [\*]

5 In which explanation of Section 11 of Civil Procedure Code, Constructive Res judicata is engrafted? / सिविल प्रक्रिया संहिता की धारा 11 के किस स्पष्टीकरण में आन्वयिक प्रांङन्याय की व्याख्या की गयी है ?

- (1) Explanation I/ स्पष्टीकरण I
- (2) Explanation III/ स्पष्टीकरण III
- (3) Explanation IV/ स्पष्टीकरण IV
- (4) Explanation II/ स्पष्टीकरण II

Ans [3]

6 Section 10 of Civil Procedure Code deals with/ धारा 10 व्यवहार प्रक्रिया संहिता सम्बन्धित है

- (1) Res subjudice/ विचाराधीन मामला
- (2) Res judicata/ पूर्व न्याय
- (3) Mens profits/ मध्यवर्ती लाभ
- (4) None of the above/ उपरोक्त में से कोई नहीं.

Ans [1]

7 According to Section 16 of the Civil Procedure Code a suit regarding Immovable property may be instituted in a court in which jurisdiction/ सिविल प्रक्रिया संहिता की धारा 16 के अन्तर्गत अचल सम्पत्ति से सम्बन्धित वाद दायर किया जा सकता है एक ऐसे न्यायालय में जिसकी स्थानीय अधिकारिता के अन्तर्गत-

- (1) Defendant resides/ प्रतिवादी निवास करता है
- (2) Defendant carries the business/ प्रतिवादी व्यापार करता है
- (3) Property is situated/ सम्पत्ति स्थित है
- (4) at all of the above places/ उपरोक्त सभी जगह

Ans [4]

8 Court may order for payment of compensatory cost in respect of false or vexatious claims or defences/ मिथ्या या तंग करने वाले दावों या प्रतिरक्षाओं के प्रतीकात्मक खर्च हेतु न्यायालय आदेशित कर सकता है

- (1) upto Rs. 10,000/10,000 रुपये तक
- (2) upto Rs. 3,000/3,000 रुपये तक
- (3) upto Rs. 25,000/25,000 रुपये तक
- (4) Any amount/ कोई भी रकम

Ans [3]

9 Civil Procedure Code has a total of/ सिविल प्रक्रिया संहिता में कुल

- (1) 158 Sections and 52 orders/158 धारयें तथा 52 आदेश है।
- (2) 158 Sections and 51 orders/158 धारयें तथा 51 आदेश है।
- (3) 167 Sections and 52 orders/167 धारयें तथा 52 आदेश है।
- (4) 161 Sections and 51 orders/161 धारयें तथा 51 आदेश है।

Ans [2]

10 Where the local limits of jurisdiction of courts are uncertain, the place of institution of suit shall be decided according to / जहाँ न्यायालय की अधिकारिता की स्थानीय सीमार्ये अनिश्चित है, वहाँ वाद संस्थित करने का स्थान निर्धारित होगा सिविल प्रक्रिया संहिता की

- (1) Section 17 of CP.C./ धारा 17 के अनुसार
- (2) Section 20 of C.P.C./ धारा 20 के अनुसार
- (3) Section 19 of C.P.C./ धारा 19 के अनुसार
- (4) Section 18 of C.P.C./ धारा 18 के अनुसार

Ans [4]

Questions Paper with Linked provision is available on Linking App (Go to Last page for Linking App QR Code)



Scan this QR Code to get Linking E-Study Material [Click Here](#)



Linking Laws

Linking Laws Tansukh Sir Page-1

[www.LinkingLaws.com](http://www.LinkingLaws.com)

[Get Subscription Now](#)

Linking Laws is an institution for RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J, HCS (JB), GJS, & Other State Judiciary and Law Exams.





11 By whom a decree can be executed?/ 'डिक्री' का निष्पादन किसके द्वारा कराया जा सकता है ?

Ans [2]

- (1) By Collector/ जिलाधीश द्वारा
- (2) By District Judge/ जिला जज द्वारा
- (3) By Tehsildar/ तहसीलदार द्वारा
- (4) By court who passed the decree or by court to whom it has been transferred/ पारित करने वाले न्यायालय द्वारा या उस न्यायालय द्वारा जिसे यह भेजी गयी है

Ans [4]

12 Which of the following is not a suit of civil nature?/ निम्नलिखित में से कौन - सा वाद सिविल प्रकृति का नहीं है ?

- (1) Right to worship/ पूजा का अधिकार
- (2) Suit for dissolution of marriage/ विवाह विच्छेद के लिये वाद
- (3) Suit relating to payment of wages under Payment of Wages Act/ मजदूरी भुगतान अधिनियम के अन्तर्गत मजदूरी भुगतान से सम्बन्धित वाद
- (4) Suit for rent/ भाटक के लिये वाद

Ans [3]

13. Sec. 56 of the Civil Procedure Code specially prohibit to arrest or to detain in civil prison in the execution of decree/ सिविल प्रक्रिया संहिता की धारा 56 एक डिक्री के निष्पादन में गिरफ्तार करने या सिविल कारावास में निरुद्ध करने हेतु विशेष रूप से निषिद्ध करती है

- (1) To a disease person/ एक बीमार व्यक्ति को
- (2) To a minor/ एक अवयस्क व्यक्ति को
- (3) To a women/ एक स्त्री को
- (4.) All the above/ उपरोक्त सभी को

Ans [3]

14 A defendant is required to file the written statement under Order V Rule 1/ आदेश 5 नियम 1 के अन्तर्गत प्रतिवादी को अपना लिखित कथन देना होता है

- (1) Within 60 days from the service of summons/ समन तामील होने के 60 दिन के भीतर
- (2) Within 30 days from the service of summons/ समन तामील होने के 30 दिन के भीतर
- (3) Within 90 days from the service of summons/ समन तामील होने के 90 दिन के भीतर
- (4) Within 15 days from the service of summons/ समन तामील होने के 15 दिन के भीतर

Ans [2]

15 Garnishee order is issued to / 'गारनिशी' आदेश दिया जाता है

- (1) Judgement debtor/ निर्णित ऋणी को
- (2) Judgement debtor's debtor/ निर्णित ऋणी के ऋणी को
- (3) Judgement debtor's creditor/ निर्णित ऋणी के लेनदार को
- (4) Decree holder/ आज्ञाप्ति धारी को

16 On what ground judgements or orders can be amended ?/ किन आधारों पर निर्णयों या आदेशों में संशोधन किया जा सकता है ?

Ans [4]

- (1) Clerical mistake/ लेखन सम्बन्धी भूल
- (2) Arithmetical mistake/ गणित सम्बन्धी भूल
- (3) Accidental slip or omission/ आकस्मिक भूल या लोप
- (4) All the above/ उपरोक्त सभी

17 Section 46 of C.P.C. deals with / धारा 46 सी. पी. सी. सम्बन्धित है

Ans [2]

- (1) Transfer of decree/ डिक्री का अन्तरण
- (2) Precepts/ आज्ञा पत्र
- (3) Supplemental proceedings/ अनुपूरक कार्यवाहियाँ
- (4) Execution of decree outside India/ भारत के बाहर डिक्रियों का निष्पादन

18 Pleading defined/ अभिवचन परिभाषित है

Ans [1]

- (1) Order 6 Rule 1/ आदेश 6 नियम 1
- (2) Order 7 Rule 1/ आदेश 7 नियम 1
- (3) Order 22 Rule 4/ आदेश 22 नियम 4
- (4) Order 2 Rule 2/ आदेश 2 नियम 2

19 In any suit relating to Railway, the authority which represent it as plaintiff or defendant will be / रेलवे से सम्बन्धित वाद में वादी या प्रतिवादी के रूप में नामित किया जाने वाला प्राधिकारी होगा

Ans [1]

- (1) General Manager of that Railway/ उस रेलवे का प्रधान प्रबन्धक
- (2) Secretary to Central Government/ केन्द्रीय सरकार का सचिव
- (3) Collector of the district/ जिले का कलेक्टर
- (4) Station Master of the Railway/ रेलवे का स्टेशन मास्टर

20. An original suit for the value of Rs. 50 lakh shall be instituted/50 लाख रुपये के मूल्य का मूलवाद संस्थित होगा

Ans [2]

- (1) High court/ उच्च न्यायालय
- (2) District court/ जिला न्यायालय
- (3) Civil Court (Senior Division)/ सिविल न्यायालय ( वरिष्ठ खण्ड )
- (4) Any of the above/ उपरोक्त में से कोई नहीं

21 When a plaint can be rejected ?/ वाद पत्र कब ना मंजूर किया जा सकता है ?

Questions Paper with Linked provision is available on Linking App (Go to Last page for Linking App QR Code)



Scan this QR Code to get Linking E-Study Material [Click Here](#)



Linking Laws  
Linking Laws Tansukh Sir Page-2  
[www.LinkingLaws.com](http://www.LinkingLaws.com)  
[Get Subscription Now](#)

Linking Laws is an institution for RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J, HCS (JB), GJS, & Other State Judiciary and Law Exams.





- (1) Where it does not disclose a cause of action/ जहाँ वाद - हेतुक प्रकट नहीं करता है
- (2) Where it is not filed in duplicate/ जहाँ यह दो प्रतियों में नहीं भरा है
- (3) Where the suit appears from the statement in the plaint to be barred by any law/ जहाँ वाद - पत्र में के कथन से यह प्रतीत होता है कि वाद किसी विधि द्वारा 'वर्जित' है
- (4) All the above/ उपरोक्त सभी

Ans [4]

22 **Caveat remain in force after lodging/ केवियट दायर करने के पश्चात् कितने दिन तक प्रवृत्त रहेगी ?**

- (1) 30 days/30 दिन
- (2) 60 days/60 दिन
- (3) 90 days/90 दिन
- (4) 120 days/120 दिन

Ans [3]

23 **Court may compel the attendance of any person to whom a summon has been issued under Section 30 by/ न्यायालय किसी ऐसे व्यक्ति को जिसके नाम धारा 30 के अधीन समन निकाला गया है, हाजिर होने के लिये विवश करने के लिये**

- (1) Issue a warrant for his arrest/ उसकी गिरफ्तारी के लिये वारण्ट निकाल सकेगा
- (2) Attach and sell his property/ उसकी सम्पत्ति को कुर्क तथा विक्रय कर सकेगा
- (3) Impose a fine upon him up to 5000 rupees/ उसके ऊपर पाँच हजार का जुर्माना अधिरोपित कर सकेगा
- (4) All the above/ उपरोक्त सभी

Ans [4]

24. **Suit under Section 91 of C.P.C. can be instituted by/ धारा 91 सी. पी. सी. के अन्तर्गत वाद दायर किया जाता**

- (1) Advocate General/ महाधिवक्ता द्वारा
- (2) Public Procecutor/ लोक अभियोजक द्वारा
- (3) Special Public Procecutor/ विशेष लोक अभियोजक द्वारा
- (4) None of the above/ उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans [1]

25. **Court may refer the case for settlement of dispute outside the court under/ न्यायालय से बाहर विवादों को निपटाने के लिये न्यायालय सन्दर्भित कर सकता है अन्तर्गत**

- (1) Section 105/ धारा 105
- (2) Section 73/ धारा 73
- (3) Section 89/ धारा 89
- (4) Section 91/ धारा 91

Ans [3]

26 **Provisions under Order 40 Rule 3 is/ आदेश 40 नियम 3 में प्रावधान है**

- (1) Appointment of receivers/ प्रापक की नियुक्ति

- (2) Duties of receivers/ प्रापक के कर्तव्य
- (3) Remuneration of receivers/ प्रापक के पारिश्रमिक
- (4) None of the above/ उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans [2]

27 **The court can award compensation for arrest on insufficient ground under Section 95 of C.P.C. not exceeding/ न्यायालय सी. पी. सी. की धारा 95 के अन्तर्गत अपर्याप्त आधारों पर गिरफ्तारी के कारण वादी के विरुद्ध क्षतिपूर्ति का निर्धारण कर सकती है जो अनाधिक होगा**

- (1) Rs. 10,000/ रु.10,000 के
- (2) Rs. 25,000/ रु.25,000 के
- (3) Rs. 50,000/ रु.50,000 के
- (4) Rs. 60,000/ रु.60,000 के

Ans [3]

28 **In which of the following Orders, the provisions relating to set-off and counter claim ?/ मुजरा और प्रतिदावा से सम्बन्धित उपबन्ध निम्नलिखित आदेशों में से किसमें अन्तर्विष्ट है ?**

- (1) Order 6/ आदेश 6
- (2) Order 7/ आदेश 7
- (3) Order 9/ आदेश 9
- (4) Order 8/ आदेश 8

Ans [4]

29 **How many rules are there in Order 21? / आदेश 21 में कुल कितने नियम हैं ?**

- (1) 108
- (2) 106
- (3) 101
- (4) 104

Ans [2]

30 **Under Section 100 of Civil Procedure Code, where the second Appeal will lie/ सिविल प्रक्रिया संहिता की धारा 100 के अन्तर्गत द्वितीय अपील कहाँ दायर की जा सकती है ?**

- (1) In District Court/ जिला न्यायालय में
- (2) In High Court/ उच्च न्यायालय में
- (3) In Supreme Court/ उच्चतम न्यायालय में
- (4) In Both High Court and Supreme Court/ उच्च एवं उच्चतम न्यायालय दोनों में

Ans [2]

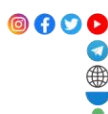
31 **Suit shall be instituted for compensation for wrongs to person where/ शरीर के प्रति किये गये अपकार के लिये प्रतिकर के लिये वाद दायर किया जायेगा जहाँ**

- (1) Defendant resides/ प्रतिवादी निवास करता है
- (2) Defendant carries on business/ प्रतिवादी कारोबार करता है
- (3) Personally works for gain/ अभिलाभ के लिये स्वयं कार्य करता है

Questions Paper with Linked provision is available on Linking App (Go to Last page for Linking App QR Code)



Scan this QR Code to get Linking E-Study Material [Click Here](#)



Linking Laws  
Linking Laws Tansukh Sir Page-3  
[www.LinkingLaws.com](http://www.LinkingLaws.com)  
[Get Subscription Now](#)

Linking Laws is an institution for RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J, HCS (JB), GJS, & Other State Judiciary and Law Exams.







(4) At the option of the plaintiff, any court mention above/ किसी भी उपरोक्त न्यायालय में वादी के विकल्प पर

Ans [4]

32 Under Section 102 of the C.P.C., No second appeal shall lie against a decree until the subject matter of the original suit for recovery of money not exceeding / सी.पी.सी. की धारा 102 के अन्तर्गत किसी डिक्री के विरुद्ध द्वितीय अपील नहीं की जा सकती जब तक की धन की वसूली के लिये मूलवाद की विषयवस्तु अनाधिक है

- (1) Rs. 10,000/ रु. 10,000 से
- (2) Rs. 25,000/ रु.25,000 से
- (3) Rs. 50,000/ रु.50,000 से
- (4) Rs. 1,00,000/ रु.1,00,000 से

Ans [2]

33. Which of the following Order is not appealable under Civil Procedure Code ?/ सी.पी.सी. के अन्तर्गत निम्नलिखित में से कौन-सा आदेश अपीलीय नहीं हैं

- (1) Order under Section 24/ धारा 24 के अधीन आदेश
- (2) Order under Section 95/ धारा 95 के अधीन आदेश
- (3) Order under Order 40 Rule 1/ आदेश 40 नियम 1 के अधीन आदेश
- (4) Order under Order 11 Rule 21/ आदेश 11 नियम 21 के अधीन आदेश

Ans [1]

34. In Interpleader suit, the real dispute is between/ अन्तराभिवाची वाद के अन्दर वास्तविक विवाद मध्य में होता है।

- (1) Only plaintiffs/ केवल वादियों में
- (2) The plaintiff and defendants/ वादी तथा प्रतिवादी में
- (3) The defendants only/ केवल प्रतिवादियों में
- (4) The husband and wife only/ केवल पति एवं पत्नी में

Ans [3]

35 Judicial officers are exempted from arrest under civil process while/ न्यायिक अधिकारी को सिविल आदेशिका के अधीन गिरफ्तारी से छूट है जब

- (1) Going to his court/ न्यायालय को जा रहा हो
- (2) Returning from his court/ न्यायालय से लौट रहा हो
- (3) Presiding in his court/ न्यायालय में पीठासीन हो
- (4) All of the above/ उपरोक्त सभी

Ans [4]

36 Section 115 of the Civil Procedure Code provides for following/ सिविल प्रक्रिया संहिता की धारा 115 निम्न के बारे में प्रावधान करती है

- (1) Review/ पुनर्विलोकन
- (2) Revision/ पुनरीक्षण
- (3) Appeal to Supreme Court/ उच्चतम न्यायालय को अपील
- (4) Reference/ निर्देश

37. Under which Section certain women are exempted from personal appearance/ किस धारा के अन्तर्गत कुछ स्त्रियों को स्वीय उपसंजाति छुट प्राप्त है ?

- (1) Section 131/ धारा 131
- (2) Section 132/ धारा 132
- (3) Section 133/ धारा 133
- (4) None of the above/ उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans [2]

38 The court under Section 89(1) of Civil Procedure Code can refer the dispute for/ न्यायालय सिविल प्रक्रिया संहिता की धारा 89 (1) के अन्तर्गत कोई विवाद निर्दिष्ट कर सकेगा

- (1) Arbitration or Conciliation/ मध्यस्थता या सुलह
- (2) Conciliation or Mediation/ सुलह या मध्यस्थता
- (3) Mediation or Lok Adalat/ मध्यस्थता या लोक अदालत
- (4) Arbitration or Conciliation or Lok Adalat or Mediation/ मध्यस्थता या सुलह या लोक अदालत या मध्यस्थता

Ans [4]

39 Maximum adjournment may be granted under Order 17 Rule 1 to a party during hearing of the suit/ वाद की सुनवाई के दौरान एक पक्ष को अधिकतम स्थगन आदेश 17 नियम 1 के अन्तर्गत किये जा सकते है

- (1) Two/ दो बार
- (2) Three/ तीन बार
- (3) Five/ पाँच बार
- (4) Six/ छः बार

Ans [2]

40. An objections as to non-joinder and misjoinder when raised ?/ असंयोजन और कुसंयोजन के बारे में आक्षेप कब उठाया जा सकता है ?

- (1) At the settlement of issues/ विवाद्य स्थिरीकरण के समय
- (2) Before the settlement of issues/ विवाद्य स्थिरीकरण के पहले
- (3) At the earliest possible opportunity/ यथासम्भव शीघ्रतम अवसर पर
- (4) All the above/ उपरोक्त सभी

Ans [4]

41 Under Civil Procedure Code, when service of summon can not be effected within reasonable time due to absence from his residence, then summon can be served to defendant's/ सिविल प्रक्रिया संहिता के अन्तर्गत जब समन की तामील प्रतिवादी के घर पर अनुपस्थिति के कारण उचित समय से नहीं हो पाती, तो समन की तामील की जा सकती है प्रतिवादी के

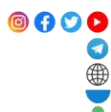
- (1) Servant/ नोकर को
- (2) Adult son/ वयस्क पुत्र को

Questions Paper with Linked provision is available on Linking App (Go to Last page for Linking App QR Code)



Scan this QR Code to get Linking E-Study Material

[Click Here](#)



Linking Laws

Linking Laws Tansukh Sir Page-4

[www.LinkingLaws.com](http://www.LinkingLaws.com)

[Get Subscription Now](#)

Linking Laws is an institution for  
RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J,  
HCS (JB), GJS, & Other  
State Judiciary and Law Exams.





- (3) Minor daughter/ अवयस्क पुत्री को  
(4) None of the above/ उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans [2]

42 Supplemental proceedings are covered by/ अनुपूरक कार्यवाहीयाँ अन्तर्गत है

- (1) Section 151 C.P.C./ धारा 151 सी. पी. सी.  
(2) Section 93 C.P.C./ धारा 93 सी.पी.सी.  
(3) Section 94 C.P.C./ धारा 94 सी.पी.सी.  
(4) Section 95 C.P.C./ धारा 95 सी. पी. सी.

Ans [3]

43 Suit under Section 91 can be instituted by/ धारा 91 सी.पी.सी. के अन्तर्गत वाद दायर किया जाता है

- (1) Advocate General/ महाधिवक्ता द्वारा  
(2) Public Procecutor/ लोक अभियोजक द्वारा  
(3) Special Public Procecutor/ विशेष लोक अभियोजक द्वारा  
(4) None of the above/ उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans [1]

44 C. P.C. provides/ सी.पी.सी. उपलब्ध करती है

- (1) For permanent injuction/ स्थायी व्यादेश के लिये  
(2) For perpetual injuction/ शाश्वत व्यादेश के लिये  
(3) For temporary injuction/ अस्थायी व्यादेश के लिये  
(4) For mandatory injuction/ आज्ञापक व्यादेश के लिये

Ans [3]

45 Objection to interrogatories may be taken only when they are/ प्रश्नमालाओं में आपत्ति केवल तभी की जा सकती है जब वे मामले में

- (1) Irrelevant/ सुसंगत नहीं है  
(2) Scandalous/ निन्दात्मक है  
(3) Not bonafide/ सद्भावनापूर्वक नहीं  
(4) Any one of the above/ उपरोक्त में से कोई भी

Ans [4]

46 If a judgement is not pronounce at once, it should ordinarily be delivered within/ जहाँ निर्णय तुरन्त नहीं सुनाया गया है वहाँ साधारण परिस्थितियों में सुनाया जाना चाहिये

- (1) 15 days/15 दिन में  
(2) 30 days/30 दिन में  
(3) 60 days/60 दिन में  
(4) 90 days/90 दिन में

Ans [2]

47. Where between the conclusion of the hearing and the pronouncing of the judgement, the death of either party causes, there shall be/ जहाँ सुनवाई की समाप्ति के पश्चात् एवम् निर्णय सुनाने से पहले किसी पक्षकार की मृत्यु हो जाती है वहाँ

- (1) abatement of the case/ वाद का उपशमन हो जायेगा

- (2) No abatement of the case / वाद का उपशमन नहीं होगा  
(3) No abatement if cause of action survive/ वाद हेतुक बचा हो तो उपशमन नहीं होगा  
(4) Depends upon the discretion of the court/ न्यायालय के विवेक पर निर्भर होगा

Ans [2]

48 Parties to the suit can compromises in a suit : / वाद के पक्षकार वाद में समझौता कर सकते है

- (1) Order 23 Rule 1 of C.P.C./ सी.पी.सी. के आदेश 23 नियम 1 के अन्तर्गत  
(2) Order 23 Rule 3 of C.P.C./ सी.पी.सी. के आदेश 23 नियम 3 के अन्तर्गत  
(3) Order 23 Rule 3A of C.P.C./ सी. पी. सी. के आदेश 23 नियम 3A के अन्तर्गत.  
(4) Order 23 Rule 4 of C.P.C. / सी.पी.सी. के आदेश 23 नियम 4 के अन्तर्गत

Ans [2]

49. The Chapter of "Judgement and Decree" have been dealt in C.P.C./ " निर्णय और डिक्री" का अध्याय सी.पी.सी. के..... है

- (1) Under Order XXI/ आदेश XXI के अन्तर्गत  
(2) Under Order XX - A/ आदेश XX - A के अन्तर्गत  
(3) Under Order XX/ आदेश XX के अन्तर्गत  
(4) Under Order XIX/ आदेश XIX के अन्तर्गत

Ans [3]

50 Under Section 75 of C.P.C. Commission may be issued for/ धारा 75 सी.पी.सी. के अन्तर्गत कमीशन जारी किया है

- (1) To make a local investigation/ स्थानीय अन्वेषण करने के लिये  
(2) To examine accounts/ लेखाओं की परीक्षा के लिये  
(3) To make a partition./ विभाजन करने के लिये  
(4) All the above/ उपरोक्त सभी

Ans [4]

51 What interest can be awarded during the pendency of the suit. ?/ विचाराधीन प्रकरण में कितना ब्याज दिलाया जा सकता हैं ?

- (1) 6 percent/6 प्रतिशत  
(2) 9 percent/9 प्रतिशत  
(3) 12 percent/12 प्रतिशत  
(4) No interest will be awarded/ कोई ब्याज नहीं दिलाया जायेगा

Ans [\*]

52 A suit under Order 37 of C.P.C. can be filed on/ सी.पी.सी. के आदेश 37 के अन्तर्गत कोई वाद दाखिल किया जायेगा

- (1) Court of Small Causes./ लघुवाद न्यायालय में  
(2) City Civil Court./ नगर सिविल न्यायालय में

Questions Paper with Linked provision is available on Linking App (Go to Last page for Linking App QR Code)



Scan this QR Code to get Linking E-Study Material [Click Here](#)



Linking Laws

Linking Laws Tansukh Sir Page-5

[www.LinkingLaws.com](http://www.LinkingLaws.com)

Get Subscription Now

Linking Laws is an institution for RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J, HCS (JB), GJS, & Other State Judiciary and Law Exams.





- (3) High Court/ उच्च न्यायालय में  
(4) All the above/ उपरोक्त सभी में

Ans [4]

**53 Order 32- A relates to/ आदेश 32-क सम्बन्धित है**

- (1) Suit by or against minors and person of unsound mind/ अवयस्क और विकृतचित्त व्यक्तियों द्वारा या उनके विरुद्ध वाद  
(2) Suit relating to matters concerning the family/ कुटुम्ब से सम्बन्ध रखने वाले विषयों से सम्बन्धित वाद  
(3) Suit by indigent person/ निर्धन व्यक्तियों द्वारा वाद  
(4) None of the above/ उपरोक्त में से कोई नहीं.

Ans [2]

**54 No ambassadors may be sued in any court otherwise competent to try the suit except with the consent of/ राजदूतों के विरुद्ध कोई भी वाद किसी भी न्यायालय में जो अन्यथा ऐसे वाद का विचारण करने में सक्षम है, सहमति से लाया जा सकता है**

- (1) President of India/ भारत के राष्ट्रपति से  
(2) Central Government/ केन्द्र सरकार से  
(3) Supreme Court of India/ उच्चतम न्यायालय से  
(4) None of the above/ उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans [2]

**55 A suit under Order 37 can be filed on the basis of/ आदेश 37 के अन्तर्गत एक वाद इन आधारों पर दायर किया जा सकता है**

- (1) Bills of exchange/ विनिमय पत्रों  
(2) Hundies/ हुण्डियों  
(3) Promissory notes/ वचन पत्रों  
(4) All the above/ उपरोक्त सभी

Ans [4]

**56 "Gurdian at litem" is/'वादार्थ संरक्षक' है**

- (1) A person defending a suit on behalf of a minor/ एक व्यक्ति जो अवयस्क की तरफ से वाद की प्रतिरक्षा करता है  
(2) A receiver/ एक प्रापक  
(3) A local commissioner/ एक स्थानीय कमीश्नर  
(4) A court/ एक न्यायालय

Ans [1]

**57. A person is an indigent person within the meaning of Order XXXIII, Rule 1 of Civil Procedure Code, if he is not possessed of/ सिविल प्रक्रिया संहिता के आदेश XXXIII नियम 1 के अनुसार एक व्यक्ति निर्धन होगा यदि उसके पास नहीं है**

- (1) Sufficient means to pay the fee payable on the plaint/ इतना पर्याप्त साधन कि वह वाद पत्र में निर्धारित फीस दे सके ।  
(2) Property of more than 500 Rupees/500 रु. से ज्यादा की सम्पत्ति ।

- (3) Sufficient means for his livelihood / जीविका के लिये पर्याप्त साधन ।  
(4) All the above/ उपरोक्त सभी

Ans [1]

**58 Order 29 C.P.C. deals with/ आदेश 29 सी. पी. सी. सम्बन्धित है**

- (1) Suit by the Government/ सरकार द्वारा वाद  
(2) Suit by the Indigent person/ निर्धन व्यक्ति द्वारा वाद  
(3) Suit by or against the Corporation/ निगमों द्वारा या उनके विरुद्ध वाद  
(4) None of the above/ उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans [3]

**59 List of witnesses must be filed by the parties/ पक्षकारों के द्वारा गवाहों की सूची पेश करनी चाहिये**

- (1) Along with the plaint or written statement/ वाद पत्र के साथ या लिखित कथन के साथ  
(2) Before framing of issues/ विवादकों की रचना के पूर्व  
(3) After framing of issues/ विवादकों की रचना के बाद  
(4) No need to file the list of witnesses/ गवाहों की सूचना पेश करने की आवश्यकता नहीं

Ans [3]

**60 Rule of Damduppat is/ दामदूपट का नियम है**

- (1) a rule relating to costs./ लागत से सम्बन्धित एक नियम  
(2) a rule relating to interest/ ब्याज से सम्बन्धित एक नियम  
(3) a rule relating to evidence/ साक्ष्य से सम्बन्धित एक नियम  
(4) a rule relating to res-judicata/ पूर्व न्याय से सम्बन्धित एक नियम

Ans [2]

**61 Letter of requests is/ अनुरोध पत्र होता है**

- (1) A incidental proceedings/ यह आनुषंगिक कार्यवाही है  
(2) In lieu of commission/ कमीशन के बदले  
(3) To examine a witness residing out side India/ साक्षी हेतु जो भारत के बाहर रह रहा है  
(4) All the above/ उपरोक्त सभी

Ans [4]

**62. An Appellate Court shall have power/ अपील न्यायालय को यह शक्ति होंगी :**

- (1) To remand a case/ मामले को प्रतिप्रेषण करे  
(2) To frame issues and refer them for trial/ विवादक विरचित करे और उन्हें विचारण के लिये निर्देशित करे  
(3) To determine a case finally/ मामले का अन्तिम रूप से अवधारण करे  
(4) All the above/ उपरोक्त सभी

Ans [4]

Questions Paper with Linked provision is available on Linking App (Go to Last page for Linking App QR Code)



Scan this QR Code to get Linking E-Study Material [Click Here](#)



Linking Laws  
Linking Laws Tansukh Sir Page-6  
[www.LinkingLaws.com](http://www.LinkingLaws.com)  
[Get Subscription Now](#)

Linking Laws is an institution for RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J, HCS (JB), GJS, & Other State Judiciary and Law Exams.







63 Pleading can be amended under C.P.C./ वाद में सी.पी.सी. के तहत संशोधन किया जा सकता है

- (1) Order 6 Rule 18 A/ आदेश 6 नियम 18 A के अन्तर्गत
- (2) Order 6 Rule 18/ आदेश 6 नियम 18 के अन्तर्गत
- (3) Order 6 Rule 16/ आदेश 6 नियम 16 के अन्तर्गत
- (4) Order 6 Rule 17/ आदेश 6 नियम 17 के अन्तर्गत

Ans [4]

64 For the purpose of Order 12 Rule 6 of C.P.C. admission of facts/ सिविल प्रक्रिया संहिता के आदेश 12 नियम 6 के प्रयोजनों के लिये तथ्यों की स्वीकृति

- (1) Must be in pleading/ अभिवचन में होनी चाहिये
- (2) Must be otherwise/" अन्यथा " होना चाहिये
- (3) May be either in pleading or otherwise/ या तो अभिवचन में हो सकती है या अन्यथा
- (4) Only in pleading and not otherwise/ केवल अभिवचन में और अन्यथा नहीं

Ans [3]

65 Power to make up deficiency of court-fee is given in/ न्यायालय फीस की कमी को पूरा करने की शक्ति दी गई है

- (1) Section 148/ धारा 148 में
- (2) Section 149/ धारा 149 में
- (3) Section 150/ धारा 150 में
- (4) Section 158/ धारा 158 में

Ans [2]

66 Decree does not includes/ डिक्री में शामिल नहीं है

- (1) The rejection of plaints/ वाद पत्र का नामंजूर किया जाना
- (2) The determination of any question within Section 144/ धारा 144 के भीतर के किसी प्रश्न का अवधारण करना
- (3) Any order of dismissal for default/ व्यतिक्रम के लिये खारिज करने का कोई आदेश
- (4) All the above/ उपरोक्त सभी

Ans [3]

67. Under Section 26 (2), Every plaint, facts shall be proved by/ धारा 26 (2) के अन्तर्गत प्रत्येक दावे में तथ्यों को साबित किया जायेगा

- (1) Proof/ सबूत
- (2) Evidence/ दस्तावेज
- (3) Documents/ साक्ष्य
- (4) Affidavit/ शपथ पत्र

Ans [4]

68 The expenses for the service of summons to the defendant have to be borne, under Order V Rule 9(3) C.P.C. by/ सी.पी.सी. के आदेश V नियम 9 (3) के तहत प्रतिवादी को समय की सेवा के लिये खर्च वहन किया जाता है

- (1) The plaintiff/ वादी के द्वारा
- (2) The court/ न्यायालय के द्वारा

- (3) The defendant/ प्रतिवादी के द्वारा
- (4) Partly by the plaintiff and partly by the defendant / आंशिक रूप से वादी द्वारा आंशिक रूप से प्रतिवादी द्वारा

Ans [1]

69. "One person may sue or defend on behalf of all in the same interest", provisions are given under/" एक ही हित में सभी व्यक्तियों की ओर से एक व्यक्ति वाद ला सकेगा या प्रतिरक्षा कर सकेगा", प्रावधान अन्तर्गत है

- (1) Order 1 Rule 1/ आदेश 1 नियम 1
- (2) Order 1 Rule 8/ आदेश 1 नियम 8
- (3) Order 2 Rule 2/ आदेश 2 नियम 2
- (4) Order 22 Rule 4/ आदेश 22 नियम 4

Ans [2]

70. Under C.P.C., which of the following matching is not a correct match? / सिविल प्रक्रिया संहिता के अन्तर्गत निम्नलिखित में से कौन-सा संयोजन सुमेलित नहीं है ?

- (1) Temporary Injunction -Order 39/ अस्थाई व्यादेश आदेश 39
- (2) Right to lodge a caveat - Section 148-A / केवियट दायर करने का अधिकार धारा 148 - A
- (3) Suit by Indigent person - Order 33/ निर्धन व्यक्ति द्वारा वाद आदेश 33
- (4) Powers of Appellate Court - Section 102/ अपीलीय न्यायालय की शक्ति धारा 102

Ans [4]

71 'X' residing in Delhi, publisher defamatory statement against 'Y' in Kolkatta. 'Y' can sue 'X' at / 'X' दिल्ली में रहता है, 'Y' के विरुद्ध मानहानि जनक कथनों का प्रकाशन कलकत्ता में करता है। 'Y' X के विरुद्ध दावा कर सकता है

- (1) Only Delhi/ सिर्फ दिल्ली में
- (3) Any where in India/ भारत में किसी भी जगह
- (2) Only Kolkatta/ सिर्फ कलकत्ता में
- (4) Either in Delhi or in Kolkatta/ या तो दिल्ली में या कलकत्ता में

Ans [4]

72 Framing of the issues is the/ वाद - पदों की रचना करना

- (1) Duties of the parties/ पक्षकारों का कर्तव्य है
- (2) Duties of the Advocates of parties/ पक्षकारों के अधिवक्ताओं का कर्तव्य है
- (3) Duty of the Court/ न्यायालय का कर्तव्य है
- (4) Duty of the Government Advocate/ सरकारी वकील का कर्तव्य है

Ans [3]

73 Substituted services is provided under/ प्रतिस्थापित तामील अन्तर्गत की जाती है

- (1) Order 2 Rule 2/ आदेश 2 नियम 2
- (2) Order 22 Rule 4/ आदेश 22 नियम 4

Questions Paper with Linked provision is available on Linking App (Go to Last page for Linking App QR Code)



Scan this QR Code to get Linking E-Study Material

[Click Here](#)



Linking Laws

Linking Laws Tansukh Sir Page-7

[www.LinkingLaws.com](http://www.LinkingLaws.com)

[Get Subscription Now](#)

Linking Laws is an institution for RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J, HCS (JB), GJS, & Other State Judiciary and Law Exams.





- (3) Order 5 Rule 19/ आदेश 5 नियम 19  
(4) Order 5 Rule 20/ आदेश 5 नियम 20

Ans [4]

74. **Reteable distribution of proceeds of sale in execution of a decree is provided under/ निष्पादन - विक्रय के आगमों का डिक्री दारों के बीच आनुपातिक वितरण करने का प्रावधान है**

- (1) Section 60/ धारा 60  
(2) Section 73/ धारा 73  
(3) Section 75/ धारा 75  
(4) Section 80/ धारा 80

Ans [2]

75. **Which of the following court does not have power to attach immovable property under Order 38 Rule 13 ?/ आदेश 38 नियम 13 के अन्तर्गत कौन - सी न्यायालय को अचल सम्पत्ति को कुर्क करने का अधिकार नहीं है ?**

- (1) District Court/ जिला न्यायालय  
(2) Small Cause Court/ लघु वाद न्यायालय  
(3) Appellate Court/ अपील न्यायालय  
(4) Civil Court (Junior Division)/ सिविल न्यायालय (कनिष्ठ वर्ग)

Ans [2]

76. **When the Criminal Procedure Code, 1973 received the assent of the President of India ?/ दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 को राष्ट्रपति द्वारा स्वीकृति कब प्राप्त हुई ?**

- (1) 25-12-1973  
(3) 25-02-1974  
(2) 25-01-1974  
(4) 25-05-1974

Ans [2]

77. **One of the chief characteristics of the Criminal Procedure Code, 1973 is/ दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की मुख्य विशेषताओं में से एक है**

- (1) To give judicial powers to the Executive Magistrate/ कार्यपालक मजिस्ट्रेट को न्यायिक शक्ति प्रदान करना  
(2) To separate Legislative to Executive/ विधायिका को कार्यपालिका से पृथक करना  
(3) To separate Judiciary to Executive/ न्यायपालिका को कार्यपालिका से पृथक करना  
(4) To separate Revenue functions from Executive/ कार्यपालिका को राजस्व कार्यों से पृथक करना

Ans [3]

78. **"Victim" includes/" पीड़ित " में सम्मिलित हैं**

- (1) Who has suffered any loss./ जिसे कोई क्षति कारित हुई है  
(2) His or her guardian./ उसका संरक्षक  
(3) His or her legal heirs/ उसका विधिक वारिस  
(4) All the above/ उपरोक्त सभी

Ans [4]

79. **The object of 'Investigation' is/'अन्वेषण' का प्रमुख उद्देश्य होता है**

- (1) To arrest the accused person/ आरोपी को गिरफ्तार करना  
(2) To collect the evidence/ साक्ष्य एकत्रित करना  
(3) To maintain the law and order/ रखना शांति एवं व्यवस्था बनाये रखना  
(4) To control the traffic/ यातायात नियंत्रित करना

Ans [2]

80. **"Warrant Case" means a case/" वारन्ट केस " का अर्थ है ऐसा मामला**

- (1) In which a police officer cannot arrest without warrant/ जिसमें पुलिस अधिकारी बिना वारन्ट गिरफ्तार नहीं कर सकता  
(2) In which a police officer can arrest without warrant/ जिसमें पुलिस अधिकारी बिना वारन्ट गिरफ्तार कर सकता है  
(3) Relating to an offence punishable with imprisonment for a term exceeding three years./ सम्बन्धित अपराध में सजा का प्रावधान 3 वर्ष से अधिक के कारावास का है।  
(4) Relating to an offence punishable with imprisonment for a term exceeding two years./ सम्बन्धित अपराध में सजा का प्रावधान 2 वर्ष से अधिक के कारावास का है।

Ans [4]

81. **Under which Section of Criminal Procedure Code, a Special Public Prosecutor should have at least ten years of experience as an advocate ?/ दण्ड प्रक्रिया संहिता की किस धारा के कम से कम एक अधिवक्ता के रूप में अन्तर्गत एक विशिष्ट लोक अभियोजक को 10 वर्ष का अनुभव होना चाहिये ?**

- (1) Section 24 (3)/ धारा 24(3)  
(2) Section 24(7)/ धारा 24 (7)  
(3) Section 24(8)/ धारा 24 (8)  
(4) Section 25/ धारा 25

Ans [3]

82. **Upto how much period, a period arrested by a police officer may be kept in police custody ?/ कोई पुलिस अधिकारी किसी व्यक्ति को अधिकतम कितनी अवधि तक पुलिस अभिरक्षा में रख सकता है ?**

- (1) 48 hours/48 घंटे  
(2) 30 hours/30 घंटे  
(3) 24 hours/24 घंटे  
(4) 3 days/3 दिन

Ans [3]

Questions Paper with Linked provision is available on Linking App (Go to Last page for Linking App QR Code)



Scan this QR Code to get Linking E-Study Material [Click Here](#)



Linking Laws  
Linking Laws Tansukh Sir Page-8  
[www.LinkingLaws.com](http://www.LinkingLaws.com)  
[Get Subscription Now](#)

Linking Laws is an institution for RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J, HCS (JB), GJS, & Other State Judiciary and Law Exams.







- 83 State Government by notification may declare any area as a metropolitan area for the purposes of Criminal Procedure Code, the population of which shall be more than/ राज्य सरकार अधिसूचना द्वारा राज्य के किसी ऐसे क्षेत्र को आपराधिक प्रक्रिया संहिता के प्रयोजन के लिये महानगर क्षेत्र घोषित कर सकती है, जिनकी जनसंख्या अधिक हो
- (1) 10 lacs/10 लाख से
  - (2) 15 lacs/15 लाख से
  - (3) 20 lacs/20 लाख से
  - (4) 25 lacs/25 लाख से

Ans [1]

- 84 Powers of the Superior Officers of the Police are describe in/ वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की शक्तियाँ वर्णित है.
- (1) Section 161/ धारा 161 में
  - (2) Section 154/ धारा 154 में
  - (3) Section 36/ धारा 36 में
  - (4) Section 32/ धारा 32 में

Ans [3]

- 85 Every Judicial Magistrate is Subordinate to/ प्रत्येक न्यायिक मजिस्ट्रेट अधीनस्थ होता है
- (1) Session Judge/ सत्र न्यायाधीश के
  - (2) Chief Judicial Magistrate/ मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के
  - (3) High Court/ उच्च न्यायालय के
  - (4) State Government/ राज्य सरकार के

Ans [2]

- 86 Under which Section of Criminal Procedure Code, Director of Prosecution is established ?/ 'अभियोजन निदेशालय की स्थापना दण्ड प्रक्रिया संहिता की किस धारा में की गई है ?
- (1) Section/धारा 24 (9)
  - (2) Section/धारा 25
  - (3) Section/धारा 25A
  - (4) Section/धारा 167A

Ans [3]

- 87 Additional Session Judge may pass the following sentence/ अपर सम न्यायाधीश निम्नांकित दण्डादेश पारित कर सकता है
- (1) Any sentence authorized by law/ विधि द्वारा प्राधिकृत कोई भी
  - (2) Any sentence but if death sentence is passed it will be after confirmation of High Court / कोई भी परन्तु यदि मृत्यु दण्ड दिया गया है तो उच्च न्यायालय की पुष्टि के बाद
  - (3) 10 years/10 वर्ष
  - (4) 7 years/7 वर्ष

Ans [2]

- 88 In which provision of the Criminal Procedure Code, it is provided that every person is bound to assist a Magistrate or a police officer reasonably regarding any offence? / दण्ड प्रक्रिया संहिता के किस प्रावधान के अन्तर्गत यह उपबंधित है कि प्रत्येक व्यक्ति किसी अपराध के सम्बन्ध में मजिस्ट्रेट या पुलिस अधिकारी की पर्याप्त सहायता करने के लिये बाध्य है ?
- (1) Section/ धारा 34
  - (2) Section/ धारा 35
  - (3) Section/ धारा 36
  - (4) Section/ धारा 37

Ans [4]

- 89 A private person can arrest a person when / एक प्राइवेट व्यक्ति किसी व्यक्ति को गिरफ्तार कर सकता है जब
- (1) He is an offender/ वह एक अपराधी है
  - (2) Committed a non cognizable offence in his presence/ उसकी उपस्थिति में एक असंज्ञेय अपराध किया है
  - (3) Committed a non bailable offence in his presence/ उसकी उपस्थिति में एक अजमानतीय अपराध किया है
  - (4) Committed a cognizable and non bailable offence in his presence/ उसकी उपस्थिति में एक संज्ञेय एवं अजमानतीय अपराध किया है

Ans [4]

90. Duty of public to give information about certain offences is provided under/ कुछ अपराधों की इत्तला का जनता द्वारा दिया जाना उपबन्धित है
- (1) Section/ धारा 39
  - (2) Section/ धारा 41
  - (3) Section/ धारा 46
  - (4) Section/ धारा 47

Ans [1]

- 91 Section 54 of the Criminal Procedure Code provides for/ दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 54 उपबन्धित है
- (1) Examination of arrested person by medical officer/ गिरफ्तार व्यक्ति की चिकित्सा अधिकारी द्वारा परीक्षा |
  - (2) Identification of person arrested/ गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान |
  - (3) Examination of accused by medical practitioner at the request of police officer/ पुलिस अधिकारी की प्रार्थना पर चिकित्सा - व्यवसायी द्वारा अभियुक्त की परीक्षा |
  - (4) Search of arrested person/ गिरफ्तार किये गये व्यक्ति की तलाशी |

Ans [1]

92. Every officer-in-charge of a police station is required to send report of arrest to/ एक पुलिस स्टेशन के भारसाधक अधिकारी को गिरफ्तारी की रिपोर्ट भेजनी होती है-
- (1) Judicial Magistrate first class/ न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम वर्ग

Questions Paper with Linked provision is available on Linking App (Go to Last page for Linking App QR Code)



Scan this QR Code to get Linking E-Study Material [Click Here](#)



Linking Laws  
Linking Laws Tansukh Sir Page-9  
[www.LinkingLaws.com](http://www.LinkingLaws.com)  
[Get Subscription Now](#)

Linking Laws is an institution for RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J, HCS (JB), GJS, & Other State Judiciary and Law Exams.





- (2) Chief Judicial Magistrate/ मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट  
(3) District Magistrate/ जिला मजिस्ट्रेट  
(4) Session Judge/ सत्र न्यायालय

Ans [3]

93 After Criminal Law (Amendment) Act, 2013, for which type of witnesses, a police officer is bound to require their attendance at their residence only/ आपराधिक विधि (संशोधन) अधिनियम, 2013 के पश्चात् पुलिस अधिकारी किस प्रकार के व्यक्तियों की साक्षी के रूप में उपस्थिति उनके निवास स्थान में रखने को पाबन्द है ?

- (1) A male under the age of 15 years or above the age of 60 years / 15 वर्ष से कम या 60 वर्ष से अधिक आयु के पुरुष  
(2) A female/ एक स्त्री  
(3) A mentally or physically disabled person/ शारीरिक या मानसिक रूप से निःशक्त व्यक्ति  
(4) All of the above/ उपरोक्त सभी

Ans [\*]

94 Who is empowered to issue a Search Warrant for search of person wrongfully confired ?/ विधि विरुद्ध निरुद्ध व्यक्ति की तलाशी हेतु तलाशी वारन्ट जारी करने को कौन सशक्त है ?

- (1) District Magistrate/ जिला मजिस्ट्रेट  
(2) Sub-Divisional Magistrate/ उपखण्ड मजिस्ट्रेट  
(3) Judicial Magistrate first class/ न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी  
(4) All of the above/ उपरोक्त सभी

Ans [4]

95 Under Section 195 of the Criminal Procedure Code. "Court" includes/ धारा 195 दण्ड प्रक्रिया संहिता के अन्तर्गत 'न्यायालय' शब्द में सम्मिलित है

- (1) Civil Court/ सिविल न्यायालय  
(2) Revenue Court/ राजस्व न्यायालय  
(3) Criminal Court/ दण्ड न्यायालय  
(4) All the above/ उपरोक्त सभी

Ans [4]

96 In which one of the following Sections of Criminal Procedure Code, 1973, there is a provision for sentence of imprisonment by the Court of Magistrate, in default of fine ?/ दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की निम्न किस धारा में जुर्माना देने में व्यतिक्रम होने पर मजिस्ट्रेट न्यायालय द्वारा कारावास के दण्डादेश की व्यवस्था है ?

- (1) Section/ धारा 30 (1)  
(3) Section/ धारा 32  
(2) Section/ धारा 31(1)  
(4) Section/ धारा 34

Ans [1]

97 The Judicial Magistrate of the first class are appointed by the/ प्रथम वर्ग न्यायिक मजिस्ट्रेट की नियुक्ति की जाती हैं

- (1) State Government/ राज्य सरकार द्वारा  
(2) High Court/ उच्च न्यायालय द्वारा  
(3) State Government with the consultation of High Court/ उच्च न्यायालय के परामर्श से राज्य सरकार द्वारा  
(4) State Public Service Commission/ राज्य लोक सेवा आयोग द्वारा

Ans [2]

98 Who is empowered to order the accused on his conviction to execute a bond for keeping peace and good behaviour?/ अभियुक्त के दोषसिद्ध पर शांति एवं सदाचार बनाये रखने के लिये बन्धपत्र के निष्पादन का आदेश देने को कौन सशक्त है ?

- (1) Session Judge/ सत्र न्यायाधीश  
(2) Judicial Magistrate first class/ न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी  
(3) Session Judge or Judicial Magistrate first class/ सत्र न्यायाधीश या न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी  
(4) Executive Magistrate/ कार्यपालक मजिस्ट्रेट

Ans [3]

99 What is the maximum period for which security for keeping peace on conviction can be ordered? / दोषसिद्धि पर परिशान्ति कायम रखने के लिए प्रतिभूति की अधिकतम अवधि कितनी है ?

- (1) 1 year/1 वर्ष  
(2) 18 months/18 महीने  
(3) 3 years/3 वर्ष  
(4) 5 years/5 वर्ष

Ans [3]

100. Who is empowered to remove nuisance under Section 133 of the Criminal Procedure Code? / दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 133 के अन्तर्गत अपदूषण को हटाने के लिये सक्षम है।

- (1) District Magistrate/ जिला मजिस्ट्रेट  
(2) Judicial Magistrate first class/ न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम वर्ग  
(3) Chief Judicial Magistrate/ मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट  
(4) All of the above/ उपरोक्त सभी

Ans [1]

101 Which one of the following is not a correct match? / निम्नलिखित में से कौन सही सुमेलित नहीं है ?

- (1) Conditional order to remove Nuisance- Section 133/ न्यूसेन्स हटाने के लिये सशर्त आदेश धारा 133  
(2) Procedure where existence of public right is refused - Section 137/ जहाँ लोक अधिकार के अस्तित्व से इन्कार किया जाता है वहाँ प्रक्रिया-137

Questions Paper with Linked provision is available on Linking App (Go to Last page for Linking App QR Code)



Scan this QR Code to get Linking E-Study Material

[Click Here](#)



Linking Laws

Linking Laws Tansukh Sir Page-10

[www.LinkingLaws.com](http://www.LinkingLaws.com)

[Get Subscription Now](#)

Linking Laws is an institution for RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J, HCS (JB), GJS, & Other State Judiciary and Law Exams.





- (3) Dispute regarding right to use of Land and Water-Section 147/ भूमि या जल के उपयोग के अधिकार से सम्बन्धित विवाद धारा 147
- (4) Order in case of Nuisance or cases of apprehended danger-Section 145/ न्यूसेन्स या आशंकित खतरे के मामले में आदेश धारा 145

Ans [4]

**102 As per Section 122 of the Criminal Procedure Code, what is the maximum period for which any person can be imprisoned for failure to give security?/ धारा 122 दण्ड प्रक्रिया संहिता के अनुसार, किसी व्यक्ति को प्रतिभूति देने में असफल रहने के कारण कारावास की अधिकतम अवधि कितनी होगी ?**

- (1) 1 year/1 वर्ष  
(2) 2 years/2 वर्ष  
(3) 3 years/3 वर्ष  
(4) 5 years/5 वर्ष

Ans [3]

**103 A is tried for causing grievous injury and convicted. The injured person afterwards dies / घोर उपहति कारित करने के लिये 'अ' का विचारण किया जाता है और वह दोष सिद्ध किया जाता है। क्षत व्यक्ति तत्पश्चात् मर जाता है**

- (1) A may be tried again for culpable Homicide. / आपराधिक मानव वध के लिये 'अ' का पुनःविचारण किया जा सकता है।
- (2) A may be tried again for culpable Homicide with the consent of State Government. / आपराधिक मानव वध के लिये 'अ' का पुनः विचारण राज्य सरकार की सहमति से किया जा सकता है
- (3) A cannot be tried again. / 'अ' का पुनःविचारण नहीं किया जा सकता है।
- (4) A may be tried again for culpable Homicide with the consent of High Court./ आपराधिक मानव वध के लिये 'अ' का पुनः विचारण उच्च न्यायालय की सहमति से किया जा सकता है।

Ans [1]

**104 Who among the following can command to disperse any lawful assembly under Section 129 of the Criminal Procedure Code ?/ धारा 129 दण्ड प्रक्रिया संहिता के अनुसार निम्न में से कौन किसी विधि विरुद्ध जमाव को तीतर - बीतर होने का समादेश दे सकता है ?**

- (1) Session Judge/ सत्र न्यायाधीश  
(2) Chief Judicial Magistrate/ मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट  
(3) Judicial Magistrate 2nd class/ न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वितीय श्रेणी  
(4) Executive Magistrate/ कार्यपालक मजिस्ट्रेट

Ans [\*]

**105 'A' travels by a train from Delhi to Mumbai. In the night, his suitcase was stolen. This fact was revealed upon reaching Mumbai. 'B' caught with the stolen suitcase at Jaipur. Where 'B' may be tried for the offence of theft? / 'A' ट्रेन से दिल्ली से मुम्बई यात्रा कर रहा था। रात्रि में उसका सूटकेस चोरी हो गया। ये बात उसे मुम्बई पहुँच कर पता चली। 'B' चोरी किये गये सूटकेस के साथ जयपुर में पकड़ा गया। चोरी के अपराध के लिये 'B' को विचारित किया जा सकता है**

- (1) Delhi/ दिल्ली  
(2) Mumbai/ मुम्बई  
(3) Jaipur/ जयपुर  
(4) Any of the aforesaid place /उपरोक्त में से कोई भी स्थान

Ans [4]

**106 In any case submitted under Section 366, the High Court may/ धारा 366 के अन्तर्गत कोई मामला प्रस्तुत होने पर उच्च न्यायालय**

- (1) Confirm the sentence/ दण्डादेश की पुष्टि कर सकता है  
(2) Pass any other order/ अन्य कोई दण्ड दे सकता है  
(3) Acquit the accused/ अभियुक्त को दोषमुक्त कर सकता है  
(4) All the above/ उपरोक्त सभी

Ans [4]

**107 Which one of the following Section of the Criminal Procedure Code, 1973 is applied when the officer in charge of a police station receives a information that a person has committed suicide?/ दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की निम्न में से कौन-सी धारा लागू होगी जबकि पुलिस थाने का भारसाधक अधिकारी यह सूचना पाता है कि किसी व्यक्ति ने आत्महत्या कर ली है ?**

- (1) Section/ धारा 154  
(2) Section/ धारा 174  
(3) Section/ धारा 147  
(4) Section/ धारा 181

Ans [2]

**108. The offence, which can only be tried upon a complaint is/ अपराध जिसका विचारण सिर्फ परिवाद पर ही हो सकता है**

- (1) Theft/ चोरी  
(2) Offences against marriage/ विवाह के विरुद्ध अपराध  
(3) Rape/ बलात्कार  
(4) Culpable Homicide/ आपराधिक मानव वध

Ans [2]

**109 What is meant by "Petty Offence" under Section 206(2) of the Criminal Procedure Code, 1973 ?/ दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 206 (2) के अन्तर्गत तुच्छ (छोटे) अपराध का क्या अर्थ है ?**

Questions Paper with Linked provision is available on Linking App (Go to Last page for Linking App QR Code)



Scan this QR Code to get Linking E-Study Material [Click Here](#)

Linking Laws  
Linking Laws Tansukh Sir Page-11  
[www.LinkingLaws.com](http://www.LinkingLaws.com)  
[Get Subscription Now](#)

Linking Laws is an institution for RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J, HCS (JB), GJS, & Other State Judiciary and Law Exams.







- (1) Offence punishable only with fine not exceeding Rs. 500./ अपराध जो सिर्फ रु. 500 से अनधिक जुर्माने से दण्डनीय है।
- (2) Offence punishable only with fine not exceeding Rs. 1000./ अपराध जो सिर्फ रु. 1000 से अनधिक जुर्माने से दण्डनीय है।
- (3) Offence punishable only with fine not exceeding Rs. 2000./ अपराध जो सिर्फ रु. 2000 से अनधिक जुर्माने से दण्डनीय है।
- (4) Offence punishable only with fine not exceeding Rs. 5000./ अपराध जो सिर्फ रु. 5000 से अनधिक जुर्माने से दण्डनीय है।

Ans [2]

**110 Where a Magistrate of first class passes only a sentence of fine not exceeding one hundred rupees, the appeal would lie to/ जब एक प्रथम वर्ग मजिस्ट्रेट केवल 100 रुपये से अनधिक जुर्माने का दण्डादेश देता है, अपील संस्थित की जायेगी**

- (1) Session Court/ सत्र न्यायालय में
- (2) High Court/ उच्च न्यायालय में
- (3) Either Session Court or High Court/ सत्र न्यायालय या उच्च न्यायालय कहीं भी
- (4) There shall be no appeal/ कोई अपील नहीं होगी

Ans [4]

**111 The proviso that, "Information by a woman against whom an offence under Section 376 I.P.C., have been committed, such information shall be recorded by a woman police officer", has been inserted through/ परन्तु कि, "किसी स्त्री द्वारा जिसके विरुद्ध भारतीय दण्ड संहिता की धारा 376 के अधीन अपराध किये जाने की इतिला दी जाती है, तो ऐसी इतिला किसी महिला पुलिस अधिकारी द्वारा अभिलिखित की जायेगी", अन्तः स्थापित किया गया है**

- (1) Criminal Procedure Code (Amendment) Act, 2005/ दण्ड प्रक्रिया संहिता (संशोधन) अधिनियम, 2005
- (2) Criminal Procedure Code (Amendment) Act, 2008/ दण्ड प्रक्रिया संहिता (संशोधन) अधिनियम, 2008
- (3) Criminal Procedure Code (Amendment) Act, 2010/ दण्ड प्रक्रिया संहिता (संशोधन) अधिनियम, 2010
- (4) Criminal Procedure Code (Amendment) Act, 2013/ दण्ड प्रक्रिया संहिता (संशोधन) अधिनियम, 2013

Ans [4]

**112 'A' commits robbery on 'B' and in doing so voluntarily causes hurt to him. Whether 'A' may be separately charged under Section 323, 392 and 394 of Indian Penal Code ?/ 'A' पर 'B' को लूटने और स्वेच्छया उपहति कारित करने का आरोप है। क्या 'A' के विरुद्ध भारतीय दण्ड संहिता की धारा 323 392 और 394 के अधीन अपराधों के लिये पृथक आरोप लगाया जा सकेगा ?**

- (1) Yes/ हाँ
- (2) No/ नहीं
- (3) With the prior permission of Session Court/ सत्र न्यायाधीश की पूर्व अनुमति से
- (4) Depends upon the discretion of the Court/ मजिस्ट्रेट की इच्छा पर निर्भर है

Ans [1]

**113 Under Section 166 A of Criminal Procedure Code, whom search is made out of India, the Criminal Courts may issue/ दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 166 A के अन्तर्गत जब तलाशी भारत के बाहर होती है तो आपराधिक न्यायालय जारी कर सकता है**

- (1) Search Warrant/ तलाशी वारन्ट
- (2) Letter of request/ प्रार्थना पत्र
- (3) Summon/ सम्मन
- (4) None of the above/ उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans [2]

**114 Which Court is empowered to call for record of any inferior Criminal Court under Section 397 of the Criminal Procedure Code ?/ निम्नलिखित में से किस न्यायालय को दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 397 के अन्तर्गत अवर दण्ड न्यायालय से अभिलेख मंगाने का अधिकार है ?**

- (1) High Court and Supreme Court/ उच्च न्यायालय तथा उच्चतम न्यायालय
- (2) Session Court and High Court/ सत्र न्यायालय तथा उच्च न्यायालय
- (3) Supreme Court/ उच्चतम न्यायालय
- (4) Supreme Court, High Court and Session Court/ उच्चतम न्यायालय, उच्च न्यायालय तथा सत्र न्यायालय

Ans [2]

**115 Which Section of Criminal Procedure Code related to "Nemo debet bis vexave procedem." ?/ "किसी व्यक्ति को एक ही मामले में दोबारा संकट में नहीं डाला जायेगा।" दण्ड प्रक्रिया संहिता की किस धारा से सम्बन्धित है ?**

- (1) Section/ धारा 300
- (2) Section/ धारा 297
- (3) Section/ धारा 396
- (4) Section/ धारा 298

Ans [1]

**116 Among the following statements, which statement is false ?/ निम्नलिखित संकथनों में से कौन-सा संकथन असत्य है ?**

- (1) A First Information Report may be lodged through a letter/ प्रथम सूचना प्रतिवेदन एक पत्र के द्वारा भी दाखिल की जा सकती है।
- (2) A First Information Report may be lodged through a telephone/ प्रथम सूचना प्रतिवेदन एक टेलीफोन के द्वारा भी दाखिल की जा सकती

Questions Paper with Linked provision is available on Linking App (Go to Last page for Linking App QR Code)



Scan this QR Code to get Linking E-Study Material [Click Here](#)

Linking Laws  
Linking Laws Tansukh Sir Page-12  
[www.LinkingLaws.com](http://www.LinkingLaws.com)  
[Get Subscription Now](#)

Linking Laws is an institution for RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J, HCS (JB), GJS, & Other State Judiciary and Law Exams.





- (3) An information relating to commission of non-cognizable offence, whether oral or in writing, given to officer in-charge of police station is First Information Report./ असंज्ञेय मामलों के कारित करने से सम्बन्धित एक सूचना चाहे मौखिक हो या लिखित जो थाने के भारसाधक अधिकारी को दी जाती है प्रथम सूचना प्रतिवेदन होती है ।
- (4) A copy of First Information Report shall be given free of cost to the informant./ प्रथम सूचना प्रतिवेदन की एक कापी, निःशुल्क सूचना देने वाले को दी जायेगी ।

Ans [3]

**117 In which one of the following Sections of the Criminal Procedure Code, provisions relating to 'free legal aid' has been provided./ दण्ड प्रक्रिया संहिता की निम्न किस धारा में निःशुल्क विधिक सहायता का प्रावधान दिया गया है ?**

- (1) Section/ धारा 304
- (2) Section/ धारा 305
- (3) Section/ धारा 307
- (4) Section/ धारा 310

Ans [1]

**118 Under Section 164 (3) of the Criminal Procedure Code, 1973, if the person appearing before the Magistrate, states that he is not willing to make confession, the Magistrate shall/ धारा 164 (3) दण्ड प्रक्रिया संहिता के अनुसार, यदि मजिस्ट्रेट के समक्ष हाजिर व्यक्ति यह कथन करता है कि संस्वीकृति करने के लिये इच्छुक नहीं है, तो मजिस्ट्रेट उसे**

- (1) Not Remand him to police custody/ पुलिस की अभिरक्षा में निरोध को प्राधिकृत नहीं करेगा ।
- (2) Remand him to police custody/ पुलिस की अभिरक्षा में निरोध को प्राधिकृत करेगा ।
- (3) Release him on bail/ जमानत पर रिहा करेगा
- (4) Punish him/ दण्डित करेगा

Ans [1]

**119 'Appeal' of the judgement of the court under Section 265 - F shall lie in/ दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 265 च के अन्तर्गत न्यायालय के द्वारा दिये गये निर्णय की अपील की जा सकती**

- (1) Chief Judicial Magistrate/ मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट
- (2) Session Court/ सत्र न्यायालय
- (3) High Court/ उच्च न्यायालय
- (4) No appeal shall lie/ अपील नहीं होगी

Ans [4]

**120 Who may determine the language of the court within the state other than the High Court under Section 272 of the Criminal Procedure Code ?/ दण्ड**

**प्रक्रिया संहिता की धारा 272 के अन्तर्गत राज्य के अन्दर उच्च न्यायालय से भिन्न न्यायालय की भाषा कौन अवधारित कर सकता है ?**

- (1) High Court/ उच्च न्यायालय
- (2) Supreme Court/ उच्चतम न्यायालय
- (3) State Government/ राज्य सरकार
- (4) Central Government/ केन्द्र सरकार

Ans [3]

**121 Under Section 439 of the Criminal Procedure Code, the jurisdiction to cancel the bail vests with/ दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 439 के अन्तर्गत, जमानत रद्द करने का क्षेत्राधिकार है**

- (1) The Court of Session and Chief Judicial Magistrate/ सत्र न्यायालय एवं मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट को
- (2) The High Court and the Court of Session/ उच्च न्यायालय एवं सत्र न्यायालय को
- (3) The Supreme Court and the High Court/ उच्चतम न्यायालय एवं उच्च न्यायालय को
- (4) All of the above/ उपर्युक्त सभी को

Ans [2]

**122 When a Magistrate is empowered to take cognizance of an offence ?/ कब एक मजिस्ट्रेट अपराध को संज्ञान करने में सक्षम होता है ?**

- (1) Upon police report/ पुलिस रिपोर्ट पर
- (2) Upon a complaint/ परिवाद पर
- (3) Upon information received from any person other than a police officer, or upon his own knowledge/ पुलिस अधिकारी से भिन्न किसी व्यक्ति की सूचना पर या स्वयं के ज्ञान पर
- (4) All the above/ उपरोक्त सभी

Ans [4]

**123 In which of the following case the Supreme Court has determined that under Section 125 of the Criminal Procedure Code, a married daughter having sufficient, independent and self means, is liable for maintenance of her parents? / निम्नलिखित में से किस वाद में उच्चतम न्यायालय ने यह अवधारित किया कि दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 के अन्तर्गत विवाहित पुत्री जिसके पास स्वयं के पर्याप्त साधन है, अपने माता पिता के भरणपोषण के लिये जिम्मेदार है**

- (1) Mohammad Ahmad Khan V. Shah Bano Begam/ मोहम्मद अहमद खान बनाम शाहबानो बेगम
- (2) Revatibai V. Jogeshwar/ रेवती बाई बनाम जोगेश्वर
- (3) Vijay Manohar Arbat V. Kashirao Rajaram/ विजय मनोहर अरबट बनाम काशीराव राजाराम
- (4) Sudeep Chowdhary V. Radha Chowdhary/ सुदीप चौधरी बनाम राधा चौधरी

Ans [3]

Questions Paper with Linked provision is available on Linking App (Go to Last page for Linking App QR Code)



Scan this QR Code to get Linking E-Study Material [Click Here](#)



Linking Laws  
Linking Laws Tansukh Sir Page-13  
[www.LinkingLaws.com](http://www.LinkingLaws.com)  
[Get Subscription Now](#)

Linking Laws is an institution for RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J, HCS (JB), GJS, & Other State Judiciary and Law Exams.





**124 Section 265-A relates with/ धारा 265 - A सम्बन्धित है**

- (1) Summary Trial/ संक्षिप्त विचारण
- (2) Plea Bargaining/ अभिवाक सौदेबाजी
- (3) Identification of accused/ अभियुक्त की पहचान
- (4) Medical Examination of Rape Victim/ बलात्कार की शिकार हुई पीड़िता की शारीरिक परीक्षा

Ans [2]

**125 Every Judicial Magistrate Ist Class may pass a sentence of fine not exceeding/ प्रत्येक न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, अनधिक जुर्माने का दण्डादेश दे सकता है**

- (1) upto Rs. 1,000/ रु.1,000 तक
- (2) upto Rs. 5,000/ रु.5,000 तक
- (3) upto Rs. 10,000/ रु.10,000 तक
- (4) upto Rs. 50,000/ रु.50,000 तक

Ans [3]

**126 Classification of the Compoundable and Non compoundable offences has been provided under Criminal Procedure Code/ दण्ड प्रक्रिया संहिता के अन्तर्गत शमनीय एवं अशमनीय अपराधों का वर्गीकरण उपबन्धित किया गया है**

- (1) In Schedule I / अनुसूची
- (2) In Schedule II / अनुसूची दो में
- (3) In Section 320/ धारा 320 में
- (4) In Section 321/ धारा 321 में

Ans [3]

**127 Under Section 55A, the duty of the person having the custody of the accused person to take reasonable care of health and safety has been inserted by/ धारा 55A के अन्तर्गत, अभियुक्त को अभिरक्षा में रखने वाले व्यक्ति का यह कर्तव्य होगा कि वह अभियुक्त के स्वास्थ्य व सुरक्षा की देखभाल करें, अन्तः स्थापित किया गया है**

- (1) Criminal Procedure Code (Amendment) Act, 2005/ दण्ड प्रक्रिया संहिता (संशोधन) अधिनियम, 2005 द्वारा
- (2) Criminal Procedure Code (Amendment) Act, 2008/ दण्ड प्रक्रिया संहिता (संशोधन) अधिनियम, 2008 द्वारा
- (3) Criminal Procedure Code (Amendment) Act, 2010/ दण्ड प्रक्रिया संहिता (संशोधन) अधिनियम, 2010 द्वारा
- (4) Criminal Procedure Code (Amendment) Act, 2013/ दण्ड प्रक्रिया संहिता (संशोधन) अधिनियम, 2013 द्वारा

Ans [2]

**128 The trial procedure adopted in a case instituted under Section 199 (2) of the Criminal Procedure Code is/ दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 199 (2) के अन्तर्गत संस्थित मामले में अपनाई गई विचारण प्रक्रिया होती है**

- (1) Session trial/ सत्र विचारण
- (2) Warrant trial of cases instituted on Police Report/ पुलिस रिपोर्ट के आधार पर संस्थित वारन्ट विचारण

- (3) Warrant trial of cases instituted otherwise than Police Report/ पुलिस - रिपोर्ट से अन्यथा संस्थित वारन्ट विचारण
- (4) Summon trial/ सम्मन विचारण

Ans [3]

**129 Ordinary place of trial is/ साधारणतया विचारण का स्थान होगा**

- (1) Where the offence has been committed/ जहाँ अपराध किया गया
- (2) Where the victim resides/ जहाँ पीड़ित निवास करता है
- (3) Where the accused resides/ जहाँ अभियुक्त निवास करता है
- (4) Where the FIR. is lodged/ जहाँ एफ.आई.आर. दर्ज की है

Ans [1]

**130 Under Section 260 of the Criminal Procedure Code, which offences can not be tried Summarily/ दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 260 के अन्तर्गत किन अपराधों का संक्षिप्त विचारण नहीं किया जा सकता ?**

- (1) Offences punishable with imprisonment exceeding two years/ दो वर्ष से अधिक के कारावास से दण्डनीय अपराध
- (2) Offences punishable with imprisonment exceeding one year/ एक वर्ष से अधिक के कारावास से दण्डनीय अपराध
- (3) Offences punishable with imprisonment exceeding six months/ छः माह से अधिक के कारावास से दण्डनीय अपराध
- (4) Offences punishable with imprisonment upto two years/ दो वर्ष तक के कारावास से दण्डनीय अपराध

Ans [1]

**131 Criminal Procedure Code, 1973 does not have provision regarding/ किससे सम्बन्धित प्रावधान दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 में नहीं है ?**

- (1) Reference/ निर्देश
- (2) Revision/ पुनरीक्षण
- (3) Review/ पुनर्विलोकन
- (4) Appeal/ अपील

Ans [3]

**132 Section 436 - A of the Criminal Procedure Code deals with/ धारा 436 - A दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 सम्बन्धित हैं**

- (1) Bail in the case of non-bailable offence/ अजमानतीय अपराध के मामले में जमानत
- (2) Anticipatory Bail/ अग्रिम जमानत
- (3) The period of detention of under trial prisoner/ विचाराधीन कैदी को निरुद्ध रखने की अवधि
- (4) None of the above/ उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans [3]

**133 Error or Omission in framing of charges/ आरोप तय करने में गलतियाँ एवं लोप-**

Questions Paper with Linked provision is available on Linking App (Go to Last page for Linking App QR Code)



Scan this QR Code to get Linking E-Study Material [Click Here](#)



Linking Laws  
Linking Laws Tansukh Sir Page-14  
[www.LinkingLaws.com](http://www.LinkingLaws.com)  
[Get Subscription Now](#)

Linking Laws is an institution for  
RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J,  
HCS (JB), GJS, & Other  
State Judiciary and Law Exams.







- (1) is material in all circumstances, shall vitiate the trial/ सभी परिस्थितियों में तात्विक होगा, विचारण को निरस्त करेगा ।
- (2) is material only if it has been occasioned a failure of justice to the accused/ केवल तब तात्विक होगा अगर इसके कारण न्याय नहीं हो पाया है ।
- (3) is material and the accused is liable to be acquitted/ तात्विक होगा एवं अभियुक्त निर्दोष साबित होने का दायी होगा ।
- (4) Not material even when accused was misled by such error/ अगर अभियुक्त वास्तव में गलतियों से भुलावे में पड गया है तो भी तात्विक नहीं होगा ।

Ans [2]

**134 Under which Section of Criminal Procedure Code, there is a provision regarding recording of remarks respecting demeanour of witness ?/ दण्ड प्रक्रिया संहिता की किस धारा के अधीन साक्षी की भावभंगिमा से सम्बन्धित कथन को अभिलिखित करने का उपबन्ध है ?**

- (1) Section/ धारा 288
- (2) Section/ धारा 278
- (3) Section/ धारा 280
- (4) Section/ धारा 270

Ans [2]

**135 What is meant by 'Police diary' ?/ 'पुलीस डायरी' का क्या अर्थ है ?**

- (1) Proceeding recorded under Section 154./ धारा 154 के अन्तर्गत अभिलिखित कार्यवाही ।
- (2) Information recorded by a police officer under Section 168./ धारा 168 के अन्तर्गत पुलिस अधिकारी द्वारा अभिलिखित संसूचनाए ।
- (3) Recording of proceeding in the investigation by a police officer under Section 172/ धारा 172 के अन्तर्गत अन्वेषण में पुलिस अधिकारी के द्वारा अभिलिखित कार्यवाहियाँ ।
- (4) Recording of police statements and proceeding under Section 161/ धारा 161 के अन्तर्गत पुलिस संकथनों एवं कार्यवाही का अभिलेख

Ans [3]

**136 Under which of the following Section of the Criminal Procedure Code, 1973, an accused person can himself be a competent witness? / दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की निम्न धाराओं में से किस धारा के अधीन एक अभियुक्त व्यक्ति स्वयं सक्षम साक्षी हो सकता है ?**

- (1) Section/ धारा 315
- (2) Section/ धारा 313
- (3) Section/ धारा 300
- (4) Section/ धारा 317

Ans [1]

**137 A case can be committed to the Court of Session, by a Magistrate/ मजिस्ट्रेट द्वारा कोई मामला सेशन न्यायालय को सुपुर्द किया जा सकता**

- (1) Under Section 209 and Section 323 of Cr. P. C./ धारा 209 एवं धारा 323 दण्ड प्रक्रिया संहिता के अधीन
- (2) Under Section 209 and Section 325 of Cr. P. C./ धारा 209 एवं धारा 325 दण्ड प्रक्रिया संहिता के अधीन
- (3) Under Section 208 and Section 323 of Cr. P. C./ धारा 208 एवं धारा 323 दण्ड प्रक्रिया संहिता के अधीन
- (4) Under Section 208 and Section 325 of Cr. P. C./ धारा 208 एवं धारा 325 दण्ड प्रक्रिया संहिता के अधीन

Ans [1]

**138 In which Section of the Criminal Procedure Code there is a provision of "Court to be open" ?**

- (1) Section 325/ धारा
- (2) Section 327/ धारा
- (3) Section 336/ धारा
- (4) Section 338/ धारा

Ans [2]

**139 Magistrate may dispense with personal attendance of accused/ मजिस्ट्रेट अभियुक्त को वैयक्तिक हाजरी से अभिमुक्ति दे सकता है**

- (1) Under Section 204 of Criminal Procedure Code/ दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 204 के अन्तर्गत ।
- (2) Under Section 205 of Criminal Procedure Code/ दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 205 के अन्तर्गत ।
- (3) Under Section 206 of Criminal Procedure Code/ दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 206 के अन्तर्गत
- (4) Under Section 207 of Criminal Procedure Code/ दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 207 के अन्तर्गत

Ans [2]

**140 Jurisdiction to grant "anticipatory bail" vests with / अग्रिम जमानत जारी करने का न्यायिक अधिकार है**

- (1) Chief Judicial Magistrate/ मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट
- (2) The Court of Session only/ केवल सत्र न्यायालय
- (3) The High Court only/ केवल उच्च न्यायालय
- (4) The Court of Session and High Court only/ केवल सत्र न्यायालय एवं उच्च न्यायालय

Ans [4]

**141 How many minimum number of Judges of the High Court are required to sign the confirmation of death sentence?/ उच्च न्यायालय द्वारा मृत्यु दण्डादेश की पुष्टि में हस्ताक्षर करने हेतु कम से कम कितने न्यायाधीश आवश्यक है ?**

- (1) 3
- (2) 4
- (3) 2
- (4) 5

Questions Paper with Linked provision is available on Linking App (Go to Last page for Linking App QR Code)



Scan this QR Code to get Linking E-Study Material [Click Here](#)



Linking Laws  
Linking Laws Tansukh Sir Page-15  
[www.LinkingLaws.com](http://www.LinkingLaws.com)  
[Get Subscription Now](#)

Linking Laws is an institution for RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J, HCS (JB), GJS, & Other State Judiciary and Law Exams.





Ans [3]

**142 Which irregularities does not vitiate proceeding under Section 460 of the Criminal Procedure Code, 1973. / दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 460 के अन्तर्गत कौन-सी अनियमितता कार्यवाही को दूषित नहीं करती?**

- (1) Demand security to keep the peace./ परिशांति कायम रखने के लिये प्रतिभूति की मांग करना ।
- (2) Discharge a person lawfully bound to be of good behaviour./ सदाचारी बने रहने के लिये विधिपूर्ण आबद्ध व्यक्ति को उन्मोचित करना
- (3) Makes an order for maintenance/ भरण पोषण के लिये आदेश देना ।
- (4) To issue a search warrant under Section 94/ धारा 94 के अधीन तलाशी वारन्ट जारी करना ।

Ans [4]

**143 When any person is sentenced to death under Section 354 (5) of Criminal Procedure Code the sentence shall direct that/ दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 354 (5) के अन्तर्गत जब किसी व्यक्ति को मृत्युदण्ड दिया जाता है, वह दण्डादेश निर्देश देगा कि**

- (1) He be hanged by death./ फाँसी लगाकर मृत्यु दी जाये ।
- (2) He be hanged by the neck./ उसे गर्दन में फाँसी लगाकर मृत्यु दी जाये ।
- (3) He be hanged by the neck till he is dead./ उसे गर्दन में फाँसी लगाकर तब तक लटकया जाये जब तक उसकी मृत्यु न हो जाये ।
- (4) He be hanged until his death./ फाँसी तब तक लगाई जाये जब तक उसकी मृत्यु न हो जाये ।

Ans [3]

**144 Under which Section of the Code of Criminal Procedure Code, 1973, a person who is avoiding execution of a warrant, may be proclaimed absconder ?/ दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की किस धारा के अधीन एक व्यक्ति जिसके विरुद्ध न्यायालय द्वारा जारी वारन्ट की तामील न होने पर फरार की उद्घोषणा की जा सकती है ?**

- (1) Section/ धारा 81
- (2) Section/ धारा 83
- (3) Section/ धारा 82
- (4) Section/ धारा 84

Ans [3]

**145 Section 407 of the Criminal Procedure Code, 1973 deals with/ दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 407 सम्बन्धित है**

- (1) Power of Supreme Court to transfer Cases and Appeals/ मामलों एवं अपीलों को अन्तरित करने की उच्चतम न्यायालय की शक्ति ।

- (2) Power of High Court to transfer Cases and Appeals./ मामलों एवं अपीलों को अन्तरित करने की उच्च न्यायालय की शक्ति ।

- (3) Power of Session Court to transfer Cases and Appeals./ मामलों एवं अपीलों को अन्तरित करने की सत्र न्यायालय की शक्ति

- (4) All of the above/ उपरोक्त सभी

Ans [2]

**146 The period of limitation for taking cognizance of any offence punishable with imprisonment of three years is/3 वर्ष तक के कारावास से दण्डनीय अपराध का संज्ञान लेने के लिये मर्यादा अवधि है**

- (1) Two years/ दो वर्ष
- (2) Three years/ तीन वर्ष
- (3) Twelve years/ बारह वर्ष
- (4) No limitation/ कोई मर्यादा नहीं

Ans [2]

**147 Maximum sentence of fine the Chief Judicial Magistrate can impose/ मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अधिकतम जुर्माना का दण्डादेश दे सकता है**

- (1) Rs. 25,000/25 हजार रुपये
- (2) Rs. 50,000/50 हजार रुपये
- (3) Rs. 10,000/10 हजार रुपये
- (4) No limit/ कोई सीमा नहीं

Ans [4]

**148 According to Section 477 of the Criminal Procedure Code, High Court may make rules after the approval of/ दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 477 के अन्तर्गत उच्च न्यायालय किसके परामर्श के पश्चात् नियम बना सकता है?**

- (1) State Government/ राज्य सरकार
- (2) Central Government/ केन्द्र सरकार
- (3) Attorney General/ महान्यायवादी
- (4) State and Central Government both/ केन्द्र व राज्य सरकार दोनों

Ans [1]

**149 Which Section of the Criminal Procedure Code, 1973 deals the cases in which Judge or Magistrate is personally interested?/ दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की कौन सी धारा न्यायाधीश या मजिस्ट्रेट के व्यक्तिगत रूप से मामले के हितबद्ध होने से सम्बन्धित है ?**

- (1) Section/ धारा 472
- (2) Section/ धारा 479
- (3) Section/ धारा 482
- (4) Section/ धारा 489

Ans [2]

Questions Paper with Linked provision is available on Linking App (Go to Last page for Linking App QR Code)



Scan this QR Code to get Linking E-Study Material

[Click Here](#)



Linking Laws

Linking Laws Tansukh Sir Page-16

[www.LinkingLaws.com](http://www.LinkingLaws.com)

[Get Subscription Now](#)

Linking Laws is an institution for RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J, HCS (JB), GJS, & Other State Judiciary and Law Exams.

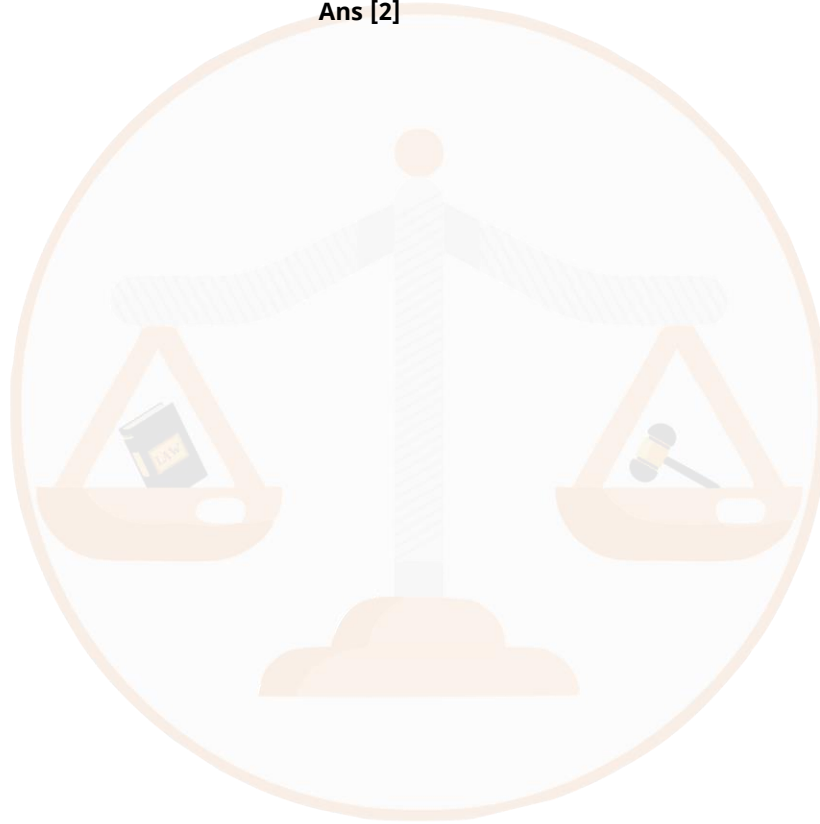




150 Under Section 482 of the Criminal Procedure Code inherent powers may be exercised by/ दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 482 के अन्तर्गत अन्तर्निहित शक्तियों का प्रयोग किया जा सकता है

- (1) Any Criminal Code/ किसी भी दण्ड न्यायालय द्वारा
- (2) Only by Supreme Court/ केवल उच्चतम न्यायालय द्वारा
- (3) Session Court and High Court/ सत्र न्यायालय एवं उच्च न्यायालय
- (4) High Court/ उच्च न्यायालय

Ans [2]



# Linking Laws

"Link the Life with Law"

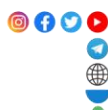
All Judiciary Exam

Questions Paper with Linked provision is available on Linking App (Go to Last page for Linking App QR Code)



Scan this QR Code to get Linking E-Study Material

[Click Here](#)



Linking Laws

Linking Laws Tansukh Sir Page-17

[www.LinkingLaws.com](http://www.LinkingLaws.com)

[Get Subscription Now](#)

Linking Laws is an institution for RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J, HCS (JB), GJS, & Other State Judiciary and Law Exams.







# Linking Laws

"Link the Life with Law"



## Why Linking Laws?



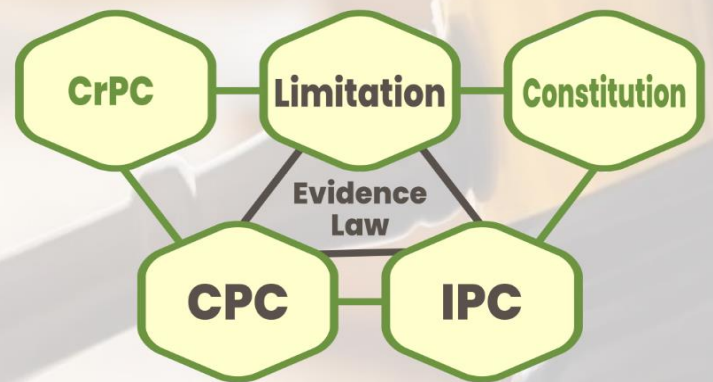
Scan this QR Code to buy Linking Publications.

### Online Platform For Judiciary Exam Preparation



- Legal Debate Competition.
- Judges / Senior Advocates Interview Session.
- Previous Exam Papers Bird View.
- Test Series (Pre. & Mains)
- Mock Interview & Many More.

### INTER LINKING



Linking Charts

## Linking Charts & Paperathon Booklets

now available at



Linking App



Scan this QR to install the Linking App



Major Laws Linking Chart



Alpha Minor Amendment Linking Chart